

आ लौट के आज्ञा मेरे श्याम,
तुझे ब्रजवाम बुलाती है,
तेरा सूना पड़ा रे ब्रजधाम,
तेरा सूना पड़ा रे ब्रजधाम,
तुझे ब्रजवाम बुलाती है,
आ लौट के आज्ञा मेरे श्याम,
तुझे ब्रजवाम बुलाती है ॥

तर्ज आ लौट के आज्ञा ।

यमुना अगम रोये छैयाँ कदम,
तेरा कैसा धर्म रोती राधा,
चंदा गगन बरसाये अगन,
दूर कैसे मिलन की हो बाधा,
अब तू ही बता रे घनश्याम,
अब तू ही बता रे घनश्याम,
तुझे ब्रजवाम बुलाती है,
आ लौट के आज्ञा मेरे श्याम,
तुझे ब्रजवाम बुलाती है ॥

रोती है मैया आज्ञा कन्हैया,
तू दूर मैया से ना जा,
रोते है बाबा ओ ब्रज के राजा,
रोती है ब्रजरज तू आज्ञा,
सब ले ले पुकारे तेरा नाम,

सब ले ले पुकारे तेरा नाम,
तुझे ब्रजवाम बुलाती है,
आ लौट के आज्ञा मेरें श्याम,
तुझे ब्रजवाम बुलाती है ॥

आ लौट के आज्ञा मेरे श्याम,
तुझे ब्रजवाम बुलाती है,
तेरा सूना पड़ा रे ब्रजधाम,
तेरा सूना पड़ा रे ब्रजधाम,
तुझे ब्रजवाम बुलाती है,
आ लौट के आज्ञा मेरें श्याम,
तुझे ब्रजवाम बुलाती है ॥

रचना अशोक कुमार खरे ।
प्रेषक मनोज कुमार खरे ।

Source: <https://www.bharattemples.com/aa-laut-ke-aaja-mere-shyam-bhajan/>



Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans>

Facebook: <https://www.facebook.com/bharattemples/>

Telegram: <https://t.me/bharattemples>

Youtube: <https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZjyhhKzSUD-Lt9Tw>